पी॰ एस॰ एम॰ पब्लिक स्कूल (पुनरावृत्ति कार्यपत्रिका)
कक्षा - छठी
विषय - हिन्दी व्याकरण
पाठ - 8 तथा 13 (सर्वनाम तथा समास), अपठित गद्यांश

प्र॰ 1. समय बहुत मूल्यवान होता है। यह बीत जाए तो लाखों - करोड़ों रुपये खर्च करके भी इसे वापस नहीं लाया जा सकता। इस संसार में जिसने भी इसकी कद्र की है, उसने सुख के साथ जीवन गुजारा है, और जिसने भी समय की बर्बादी की, वह खुद ही बर्बाद हो गया है, समय का मूल्य उस खिलाड़ी से पुछिए, जो सैकेंड के सौवें हिस्से से पदक चूक गया हो। स्टेशन पर खड़ी रेलगाड़ी एक मिनट के विलम्ब से छूट जाती है। आजकल तो कई विद्यालयों में देरी से आने पर विद्यालय में प्रवेश भी नहीं करने दिया जाता। छात्रों को तो समय का मूल्य और भी अच्छी तरह समझ लेना चाहिए, क्योंकि इस जीवन की कद्र करके वे अपनी जीवन के लक्ष्य को पा सकते हैं।

(क) उपरोक्त गद्यांश में कीमती किसे माना गया है?
(ख) किसने सुख के साथ जीवन गुजारा है?
(ग) सैकेंड के सौवें हिस्से पदक कौन चूक जाता है?
(घ) छात्रों को समय की क़द्र करने के लिए क्यों कहा गया है?

प्र॰ 2 रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त सर्वनाम से करिए -

(क) _____ आपका छोटा भाई है।
(ख) _____ तो _____ कहा होगा।
(ग) जिसकी लाठी _____ भैंस
(घ) _____ पढ़कर विद्यालय जाऊँगा
(ङ) _____ पिता स्वस्थ है।

प्र॰ 3 समास विग्रह किए हुए शब्दों से समास बनाइए -

(क) लोक में प्रिय
(ख) आठ अध्यायों का समाहार
(ग) स्वर्ग को गया
(घ) उल्टा और सीधा
(ङ) सात मंजिलों का समूह